भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

Press Release

आईआईटी भुवनेश्वर के संकाय डॉ. श्रीकांत गोलापुडी को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 प्राप्त हुआ

भुवनेश्वर, 6 सितंबर 2026: आईआईटी भुवनेश्वर के 'स्कूल ऑफ़ मिनरल्स, मेटालर्जिकल एंड मैटेरियल्स इंजीनियरिंग' में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. श्रीकांत गोल्लापुडी को नई दिल्ली में शिक्षक दिवस के मौके पर आयोजित एक समारोह में भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने प्रतिष्ठित 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026' से सम्मानित किया। वे उच्च शिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक से इस पुरस्कार के लिए चुने गए 21 शिक्षकों में शामिल हैं।

डॉ. श्रीकांत को यह पुरस्कार मेटलर्जी (धातु विज्ञान) और मैटेरियल साइंस (पदार्थ विज्ञान) के क्षेत्रों में उनके "शिक्षण कौशल और सामाजिक रूप से उपयोगी शोध" के लिए मिला है। वे छात्रों की वैचारिक समझ, वास्तविक जीवन में उनके इस्तेमाल और अनुभव-आधारित सीखने पर ध्यान केंद्रित करके उनकी सीखने की क्षमता को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं। उनके शोध कार्यों में किफायती मेडिकल इम्प्लांट और सर्जिकल उपकरण, बेकार हो चुके सोलर सेल के लिए रीसाइक्लिंग समाधान और मोबिलिटी (आवागमन) के लिए हल्के कंपोजिट शामिल हैं।

एनआईटी राउरकेला और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस, बेंगलुरु के पूर्व छात्र डॉ. श्रीकांत ने यूएसए की नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी से मैटेरियल्स साइंस और इंजीनियरिंग में पीएचडी की डिग्री हासिल की। आईआईटी भुवनेश्वर में शामिल होने से पहले, उन्होंने डिफेंस मेटालर्जिकल रिसर्च लेबोरेटरी (हैदराबाद), एम्आईटी (यूएसए)और सेंट-गोबेन रिसर्च इंडिया के साथ काम किया। आईआईटी भुवनेश्वर में, उनका रिसर्च डिफेंस, मोबिलिटी और बायोमेडिकल इस्तेमाल के लिए एडवांस्ड मैटेरियल्स की प्रोसेसिंग और कैरेक्टराइजेशन पर केंद्रित है। इसमें डीआरडीओ और मिनिस्ट्री ऑफ़ माइन्स के राष्ट्रीय महत्व के रिसर्च प्रोजेक्ट्स भी शामिल हैं।

डॉ. श्रीकांत ने कहा, "नेशनल टीचर्स अवॉर्ड पाकर मैं बहुत सम्मानित और विनम्र महसूस कर रहा हूँ। मैं अपने स्टूडेंट्स, साथियों, मेंटर्स और IIT भुवनेश्वर की लीडरशिप का उनके लगातार सहयोग के लिए आभारी हूँ। मैं आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा किए गए टीचिंग-लर्निंग सुधारों की भी सराहना करना चाहता हूँ, जो इनोवेटिव और स्टूडेंट-सेंट्रिक पढ़ाने के तरीकों के लिए एक सहायक माहौल बना रहे हैं। यह सम्मान मुझे टीचिंग, रिसर्च और अगली पीढ़ी को मेंटर करने में बेहतरीन योगदान जारी रखने के लिए प्रेरित करता है।"

डॉ. श्रीकांत को बधाई देते हुए IIT भुवनेश्वर के डायरेक्टर प्रो. श्रीपाद करमलकर ने कहा, "यह प्रतिष्ठित सम्मान आईआईटी भुवनेश्वर के लिए गर्व की बात है। संस्थान सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण और असरदार रिसर्च के साथ-साथ रिसर्च पर आधारित शिक्षण-सीखने के तरीकों से शिक्षा में बदलाव लाने पर भी समान रूप से ज़ोर देता है। डॉ. श्रीकांत का शिक्षण, रिसर्च और छात्रों के मार्गदर्शन के प्रति समर्पण एकेडमिक उत्कृष्टता के इन मूल्यों का बेहतरीन उदाहरण है।"